भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3149

जिसका उत्तर शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024/22 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है।

यूरिया गोल्ड

3149. श्री सुधाकर सिंह:

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश भर में सल्फर-लेपित यूरिया (यूरिया गोल्ड) की उपलब्धता और वितरण की वर्तमान स्थिति क्या है तथा किसानों के बीच इसे किस तरह से बढ़ावा दिया जा रहा है;
- (ख) सरकार किस तरह से यूरिया गोल्ड के माध्यम से मिट्टी में सल्फर की कमी को दूर करने की योजना बना रही है तथा छोटे और सीमांत किसानों के लिए इसकी सुलभता और पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;
- (ग) नाइट्रोजन उपयोग दक्षता, कम उर्वरक खपत, और फसल की गुणवत्ता में सुधार के संदर्भ में नीम-लेपित यूरिया के साथ यूरिया गोल्ड के प्रदर्शन का मूल्यांकन और तुलना करने के लिए क्या उपाय लागू किए जा रहे हैं; और
- (घ) क्या बिहार जैसे राज्यों में यूरिया गोल्ड के उत्पादन और आपूर्ति का विस्तार करने के लिए कोई विशेष पहल की योजना बनाई गई है जहां मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी कृषि उत्पादकता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है?

उत्तर

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) और (ख): आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए) ने 28 जून, 2023 को आयोजित अपनी बैठक में "यूरिया गोल्ड" के नाम से सल्फर लेपित यूरिया को शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मैसर्स राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) ने सल्फर लेपित यूरिया की शुरुआत की है जिसे आमतौर पर यूरिया गोल्ड कहा जाता है, जिसमें 17% सल्फर और 37% नाइट्रोजन की मात्रा होती है। वर्ष 2023-24 में आरसीएफ ट्रॉम्बे संयंत्र में सल्फर लेपित यूरिया (यूरिया गोल्ड) का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद से, आरसीएफ ने अब तक सात राज्यों में 13,844 मीट्रिक टन मात्रा भेजी है और 13,286 मीट्रिक टन की बिक्री की है।

यूरिया गोल्ड को बढ़ावा देने के लिए, आरसीएफ केवीके और कृषि विश्वविद्यालयों के समन्वय से नियमित रूप से किसानों के साथ बैठकें, किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। आरसीएफ अलीबाग और नागपुर के आरसीएफ किसान प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान किसानों को यूरिया गोल्ड के लाभों के बारे में भी जानकारी प्रदान करता है। आरसीएफ अपनी मासिक पत्रिका "शेती पत्रिका" में नियमित आधार पर यूरिया गोल्ड के उपयोग के बारे में जानकारी प्रकाशित करता है जो बड़ी संख्या में किसानों को निशुल्क में वितरित की जाती है।

(ग): नीम लेपित यूरिया की तुलना में एससीयू में बेहतर नाइट्रोजन उपयोग क्षमता है। इसके अलावा, एससीयू कम जल संदूषण और नमक सूचकांक सुनिश्चित करता है, मृदा संघनन से बचाता है और फसल की गुणवत्ता और उपज को बेहतर बनाता है।

(घ): सभी यूरिया उत्पादक कंपनियों से एससीयू का उत्पादन शुरू करने की व्यवहार्यता का पता लगाने का अनुरोध किया गया था। परिणामस्वरूप, आरसीएफ-ट्रॉम्बे ने एससीयू का उत्पादन शुरू कर दिया है।